विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ , लक्खीसराय

रूपम कुमारी ,वर्ग -सप्तम् ,विषय-हिन्दी

दिनांक - 11-10-20

Based on NCERT pattern

//पुनरावृति//

नियमों का बोध कराने वाला शास्त्र हैं। यह हिंदी भाषा के अध्ययन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं।[1] इसमें हिंदी के सभी स्वरूपों का चार खंडों के अंतर्गत अध्ययन किया जाता है; यथा- वर्ण विचार के अंतर्गत ध्वनिऔर वर्ण तथा शब्द विचार के अंतर्गत शब्द के विविध पक्षों संबंधी नियमों और वाक्य विचार के अंतर्गत वाक्य संबंधी विभिन्न स्थितियों एवं छंद विचार में साहित्यिक रचनाओं के शिल्पगत पक्षों पर विचार किया गया है।[2]

वर्ण विचारसंपादित करें

मुख्य लेख: वर्ण विभाग

वर्ण विचार हिंदी व्याकरण का पहला खंड है, जिसमें भाषा की मूल इकाई ध्वनि तथा वर्ण पर विचार किया जाता है। वर्ण विचार तीन प्रकार के होते हैं। इसके अंतर्गत हिंदी के मूल अक्षरों की परिभाषा, भेद-उपभेद, उच्चारण, संयोग, वर्णमाला इत्यादि संबंधी नियमों का वर्णन किया जाता है।

वर्णसंपादित करें

हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी है। देवनागरी वर्णमाला में कुल 52 वर्ण हैं, जिनमें से 11 स्वर , 33 व्यंजन , एक अनुस्वार (अं) और एक विसर्ग (अ:) सम्मिलित है। इसके अतिरिक्त हिंदी वर्णमाला में दो द्विगुण व्यंजन (ड़ और ढ़) तथा चार संयुक्त व्यंजन (क्ष,त्र,ज्ञ,श्र) होते हैं।

स्वरसंपादित करें

हिन्दी भाषा में कुल ग्यारह स्वर हैं। ये ग्यारह स्वर इस प्रकार हैं- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

स्वर के दो भेद है

1-मूल स्वर a-लघु-अ,इ,उ b-ह्रस्व-ऋ

2-संधि स्वर

a-दीर्घ स्वर -अ+अ=आ,इ+इ=ई,उ+उ=ऊ

b-संयुक्त स्वर-अ+इ=ए,अ+ए=ऐ,अ+उ=ओ,अ+ओ=औ

'अं' और 'अः' को स्वर में नहीं गिना जाता है। इन्हें अयोगवाह ध्वनियाँ कहते हैं। 'ॲ' आगत अंग्रेजी स्वर

व्यंजनसंपादित करें

व्यंजन को पांच वर्गों में बांट दिया है

- 'क'वर्ग-क,ख,ग,घ,ड़ (कण्ठ से बोले जाने वाले)
- 'च'वर्ग-च,छ,ज,झ,ञ (तालू से बोले जाने वाले)
- 'ट'वर्ग-ट,ठ,ड,ढ,ण (मूर्धा से बोले जाने वाले)
- 'त'वर्ग-त,थ,द,ध,न (दंत से बोले जाने वाले)
- 'प'वर्ग-प,फ,ब,भ,म (ओष्ठ से बोले जाने वाले)